ना देना चाहे कुबेर का धन | by Sheetal Pandey

मैं मांगता तुमसे मेरे बाबा वो चीज़ मुझको ज़रूर देना
मिले ज़माने की सारी खुशियां मगर ना मुझको ग़ुरूर देना
ना देना चाहे कुबेर का धन मगर सलीका सहूर देना
उठा के सर जी सकूँ जहाँ में तू इतनी इज्ज़त ज़रूर देना

ना बैर कोई ना कोई नफरत, नज़र ना आये कहीं बुराई
कहीं बुराई.....
ना बैर कोई ना कोई नफरत, नज़र ना आये कहीं बुराई
हर एक दिल में तू दे दिखाई मेरी नज़र को वो नूर देना

बड़ी ना मांगू मैं चीज़ तुमसे,औकात जितनी है मांगता हूँ
मांगता हूँ .....
बड़ी ना मांगू मैं चीज़ तुमसे,औकात जितनी है मांगता हूँ
जो घाव दु:ख ने दिए दिल में वो सुख की मरहम ज़रूर देना

मिलेगी रेहमत तुम्हे श्याम की, मगर ये शर्त के साफ़ दिल हो
के साफ़ दिल हो .....
मिलेगी रेहमत तुम्हे श्याम की, शर्त यही है के साफ़ दिल हो
अगर गजेसिंह हो खोट मन में तो खोट का सर तू चूर देना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a7%e0%a4%a8-by-sheetal-pandey/